

**Mr. Speaker:** I have already allowed him one question.

**श्री प्रकाश शीर शास्त्री :** श्रीमन्, अभी मंत्री महोदय ने जैसा कहा कि जिस व्यक्ति ने आसाम ट्रिब्यून के सम्पादक को यह घमकी भरा पत्र लिखा है, केवल आसाम ट्रिब्यून के सम्पादक को ही नहीं हमारे सदन के माननीय सदस्य श्री हेम बरुआ को भी इसी प्रकार के पत्र आये हैं, आप ने बताया है कि इस बात की जानकारी ली जा रही है कि कौन व्यक्ति है जो इस प्रकार के पत्र लिख रहा है, तो जानकारी वही एजेंसी ले रही है जो दिल्ली में वर्षों से पाकिस्तान के लिए जासूसी का काम करने वाले ए० आई० पी० पी० के दफ्तर के आदमी को नहीं पकड़ सकी ?

**श्री विद्या चरण शुक्ल :** हम लोगों की जो एजेंसी काम कर रही है उसने बहुत अच्छी तरह से काम किया है और इसके बारे में इन्वेस्टीगेशन चल रहा है। जैसे ही इन्वेस्टीगेशन कम्प्लीट हो जायेगा हम सदन को इसकी जानकारी देंगे।

#### Plastic Explosive Bomb

+

- \*485. **Dr. Ram Manohar Lohia:**  
**Shri Maurya:**  
**Shri Kishen Pattnayak:**  
**Shri Hukam Chand**  
**Kachhavaiya:**  
**Shri Rameshwaranand:**  
**Shri Raghunath Singh:**  
**Shri Sidheshwar Prasad:**  
**Shri C. K. Bhattacharyya:**

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a plastic explosive bomb was found in a steel trunk which was seized by the police at Dimapur Railway station on the 29 April, 1966;

(b) if so, whether any inquiry has been made as to the country in which this was manufactured; and

(c) the action taken in the matter?

**The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla):** (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. The investigations are in progress.

(c) Adequate measures to detect and prevent such illegal traffic in arms and explosives have been taken.

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अब वह पूरक सवाल तो हमारे बैसे ही खत्म हो जाते हैं। बी० का जवाब उन्हें देना चाहिए था, किसी देश का नाम देना चाहिए था।

**Mr. Speaker:** The country where they were manufactured, can the Government point out?

**Shri Vidya Charan Shukla:** This has been said earlier in the House that we suspect that they were manufactured in Pakistan.

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अब यह आखिर में अपना विरोध बता देता हूँ कि इस तरह के जवाब पाने के बाद कोई सवाल जवाब सम्भव नहीं हो सकते। सस्पेक्ट के क्या माने ? यहां यह सवाल पूछा मैंने। इतने महीने रहे जांच के लिए और कभी फ्रांस का नाम आ जाता है, अभी इसी जगह फ्रांस का नाम भी आया है . . . .

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप करिये सवाल।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप अध्यक्ष महोदय, खुद समझ रहे होंगे कि इन पूरक प्रश्नों में कुछ रद्द ही नहीं जाता। खाली आप यही पूछ सकते हैं कि मंत्री महोदय ने अब तक पाकिस्तान और फ्रांस दो देशों के ऊपर शक किया है। इतने महीने हो गये, जांच पड़ताल करते हुए तो कहीं इनका शक किसी एक देश के ऊपर जाकर टिका है और अगर टिका है तो उस सम्बन्ध में उन्होंने क्या-क्या कार्रवाही की है। मैंने आपसे पूछा है तो आपने इन बातों का जवाब नहीं दिया है।

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** जैसा हम ने कहा है हम लोगों की जांच पड़ताल के बाद यह बात सामने आयी कि यह जो एक्सप्लोसिव पाया गया था, यह पाकिस्तान में बना हुआ था ।

**अध्यक्ष महोदय :** तो फिर आपने सस्पिशन अभी तक बताया कि वी सस्पेक्ट । यह आप को कन्फर्म हो चुका है ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** जी हां, कन्फर्म हो चुका है ।

**अध्यक्ष महोदय :** तो फिर आप सस्पेक्ट क्यों करते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** यह नहीं बताया कि उन्होंने क्या कार्यवाही की ?

**अध्यक्ष महोदय :** कार्यवाही क्या की ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** हम लोगों ने कार्यवाही यह की है कि इस तरह के जो एक्सप्लोसिव हैं वह रेलवे स्टेशन और रेलवे बोगीज में न आने पायें । रोकने की जितनी कार्यवाही हो सकती है वह कर रहे हैं ।

**एक माननीय सदस्य :** उस देश के बारे में क्या कर रहे हैं ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** उस देश के बारे में, जैसा आप लोग जानते हैं . . . . .  
(व्यवधान) जी हां, प्रोटेस्ट नोट भेजा करते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** यह मैं मान कर चलता हूँ कि विरोध पत्र भेजा गया . . .

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** यह मैं नहीं कह रहा हूँ कि इस बारे में विरोध पत्र भेजा गया है या नहीं । ऐसा होता है तो विरोध पत्र भेजा जाता है, यह मैंने कहा है । मैंने यह नहीं कहा कि इस सम्बन्ध में विरोध पत्र भेजा गया है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में आप आज भेरा

विरोध यहां पर मुन लीजिये । उनका विरोध जाता हो या न जाता हो । यह कोई स्कूल की तरह हम से बात कर रहे हैं कि उसको यह होता है तो वह होता है, तो यह कार्यवाही होती है । एक सीधा सवाल पूछा था कि पाकिस्तान से इनको प्लास्टिक बम मिलने की बात पूरी तरह से मालूम है तो इसके बारे में क्या कार्यवाही की ?

**अध्यक्ष महोदय :** उन्होंने इतना ही बतलाया है कि ऐसे मामलों में विरोध पत्र भेजा जाता है मगर इस में नहीं कह सकते कि भेजा गया या नहीं ? और तो कोई कार्यवाही बतलायी नहीं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप इनसे जवाब दिलवाइये कि भेजा या नहीं ?

**अध्यक्ष महोदय :** कोई कार्यवाही आप बतला सकते हैं हुई या नहीं ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** अध्यक्ष महोदय, जैसा आप ने कहा बिलकुल वही बात है कि ऐसे मामलों में कभी कभी विरोध पत्र भेजे जाते हैं । पर इस मामले में विरोध पत्र भेजा गया या नहीं यह मैं नहीं कह सकता ।  
(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर आर्डर । अब यह बात कहना कि ऐसे मामलों में विरोध पत्र भेजे जाते हैं, यह तो एक बात है । सवाल यह है कि इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** इसके बारे में मुझे ठीक से नहीं मालूम कि इस मामले में भेजा गया है या नहीं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** मैं एक व्यवस्था के प्रश्न पर कहना चाहता हूँ कि यह मंत्री सदन का अपमान कर रहे हैं, विशुद्ध रूप में सदन का अपमान कर रहे हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप बैठ जाइये । आगे चलने दीजिये । अब इससे ज्यादा जवाब

नहीं दे सकते । . . . (व्यवधान) तो आप के पास और कार्यवाही करने के लिए तरीके हैं । वह तरीका इस्तेमाल कीजिये ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** इस प्रश्न में यह बताया गया है कि 19 अप्रैल, 1966 को यह बम पकड़ा गया था, मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह बम रेलवे स्टेशन पर किस के द्वारा लाया गया, क्या उस बम पर कोई नाम लिखा हुआ था, वह बक्स कहां से कहां जाने वाला था, क्या इन सब बातों की सरकार ने जांच की है ? यदि हाँ, तो यह जो बम पाया गया था यह कितना हानिकारक था, क्या इसकी भी जांच सरकार ने करवाई है ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** जी हाँ, इसकी जांच करवाई गई है । कौन इसको लाया था, किस ने उसे वहाँ रखा था, इसकी जांच चल रही है । उम बक्से पर किसी का नाम नहीं लिखा हुआ था ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** वह बम कितना हानिकारक था ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** इसको देखा जा रहा है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** 19 अप्रैल को यह घटना है, चार महीने होने की आ रहे हैं, क्या इसके बारे में अभी तक कोई जांच नहीं की गई ?

**अध्यक्ष महोदय :** क्या किसी कैमिकल एक्जामिनर या किसी टेक्नोलॉजिस्ट ने जांच की है कि वह कितना डेन्जरम था ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** यह एक खाम तरीके का प्लास्टिक बम था, काफी खतरनाक एक्सप्लोसिव बम था ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार पाकिस्तान को प्रोटैस्ट या

विरोध-पत्र भेजती है और उसके बदले में पाकिस्तान बम भेजता है । यह व्यवस्था देश में कितने दिनों तक चलेगी—कि हम वहाँ पर विरोध-पत्र भेजते रहें और वह बम भेजते रहें ?

**श्री विद्याचरण शुक्ल :** अध्यक्ष महोदय, आप यह बात जानते हैं कि जब आवश्यकता पड़ती है, हमारी तरफ से पाकिस्तान के विरोध में कड़ी कार्यवाही की गई है ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** क्या आपने भी वहाँ कोई बम भेजा ? (व्यवधान) आप को तो दुगना और चौगना भेजना चाहिये था, यह विरोधी कागज़ भेजने का क्या मतलब हुआ, कड़ी कार्यवाही का मतलब था कि अगर वह एक बम भेजता है तो आप दो बम भेजिये, आप अगर दुगना भेजते तब मही कार्यवाही होती ।

**Shri Hem Barua:** After the disclosure was made in the House about the jeep incident of 7th March in Jorhat and the involvement of the Naga hostiles in planting of explosives in the train at Diphu, Luming and all those places, the Union Government came forward and took security measures to protect this railroad, and since then there has been no incident so far. In that connection, may I know from the Central Government whether the Union Government have enquired from the Assam Government, particularly the Chief Minister of Assam, why it is that he did not take the Central Government into confidence when incriminating documents came into his hands about the Naga complicity or the involvement of Naga hostiles in planting all these explosives to destroy our communication line in that part of the country?

**Shri Vidya Charan Shukla:** I would require notice for this question